Latter Behaviourist or New Behaviourist

नये व्यवहारवाद सन् 1925 से 1920 के बीच में नवीन का विकास हुआ उसमें अनेक नवीन मनोवैज्ञानिक प्रकट हुए। इन नये व्यवहारवादियों के प्रवेश व्यवहारवादियों व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक में अनेक उप सिद्धान्तो तथा विचारो का समावेश हुआ। विशेष रूप से अनेक नवीन सीखने के सिद्धान्त प्रकाश में आये। तब अब हम नवीन व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिकों के विचारो का अध्ययन प्रस्तुत करेंगे।

Tolman:-

Tolman सबसे पहला मनोवैज्ञानिक था। जिसने अपने को व्यवहारवाद में परिवर्तित किया। Tolman उद्देश्यपूर्ण व्यवहारवादी था। उसने बताया कि मनुष्य एवं पशु का व्यवहार उद्देश्यपूर्ण होता है। अगर हम व्यवहार के उद्देश्य की ओर ध्यान न देंगे तो व्यवहार सदैव सदैव ही किसी न किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिये होता है। ~~Tolman~~ इसका सम्बन्ध वातावरण से होता है। Tolman अपने पशु प्रयोगशाला में जिन पद्धतियों पद्धतियों को कुछ प्रयोग किया वे व्यवहारवादी पद्धतियाँ थी। उसने व्यवहारवादी प्रयोगों से ही पशु व्यवहार की व्याख्या की। Tolman के अनुसार Trail and error से सीखने के प्रयोगों से पशुओं के व्यवहार में प्रयोजन स्पष्ट देखा जा सकता है। Trail and error होता है इसलिये कि लक्ष्य तक पहुंचना होता है। या पहुंचने का प्रयास किया जाता है। इस प्रकार Tolman ने व्यवहार के क्षेत्र को watson से अधिक विस्तृत बना दिया है। उसके अनुसार

भी ऐसा अनुसंधान कार्य व्यवहारवादी में माना जाना चाहिये। जिसमें वस्तु विधियों से और वस्तु विषयक प्रत्ययों से कार्य किया गया हो। Watson के उत्तेजना अनुक्रिया के सिद्धान्त के स्थान पर Tolman ने उत्तेजना जीव अनुक्रिया (S-O-R) का सिद्धान्त प्रतिस्थापित किया। Tolman के सिद्धान्त नवीन व्यवहारवाद का प्रतिनिधि है।

Hull :-

Hull का मनोविज्ञान में एक महत्वपूर्ण स्थान है। शायद ही कोई मनोवैज्ञानिक होगा जो मनोविज्ञान में इतनी व्यवस्थित गणितीय भाषा का प्रयोग किया है। क्योंकि इसका विश्वास था कि वैज्ञानिक सत्य की खोज चार विधियों के माध्यम से सम्भव है। प्रथम विधि Simple observation है। इस विधि से बिना योजना बनाये observation किया जाता है। दूसरा Systematic ~~observation~~ Controlled observation किया जाता है। तीसरा विधि प्रयोगात्मक है, जिसमें observation के माध्यम से उपकल्पनाओं का निर्माण करके योजनानुसार प्रयोग किया जाता है। चौथी विधि उपकल्पनात्मक निगमन है।

Hull ने प्रारम्भ में सम्मोहन और सुझावशीलता के विषय में प्रयोग किया Hull ने उत्तेजना अनुक्रिया में साहचर्य कि क्रिया पर प्रकाश डाला है। जहां Watson Pavlov के प्रत्यय सिद्धान्त के विरोधी था। Hull ने इसका पूरा प्रयोग किया। सच तो यह है, कि न तो Hull अपने को व्यवहारवादी कहता है। न तो सब बातों में अन्य व्यवहारवादियों के समान ही है।

B.F. Skinner :-

Skinner ने 1930 में व्यवहारवाद का अध्ययन को अपने उन अनुसंधानों से जोड़ दिया जो पशुओं के सीखने पर किए गये व आज भी मनोविज्ञान की सामग्री में प्रमुख स्थान पाये हुए है। Skinner का मानना है कि व्यवहार को S.R इकाई प्रतिवर्त के रूप में क्रियान्वित होती है। वह प्रत्येक S-R इकाई को प्रतिवर्त मानता है। Skinner ने प्रयोगात्मक यह देखे उद्दीपक से अनुक्रिया का सम्बन्ध स्थापित किस प्रकार होता है। इसे समझाने के लिये निम्नलिखित सूत्र प्रस्तुत किया।

R = f(S.A)

आज इस बात सभी समझते है कि कम से कम व्यवहार के कुछ थोड़े से ऐसे पहलु ऐसे है जिसका कुछ अन्तर्दर्शन का प्रयोग आवश्यक है। Watson ने व्यक्तित्व के विकास में वातावरण के महत्व पर बड़ा जोर दिया। उसने बताया था कि मौका दिये जाने पर किसी भी बालक को कुछ भी बनाया जा सकता है परन्तु उसने अपना वादा पूरा नही किया।

R. Guthories !

व्यवहारवादी समूह में गुथरी एक ऐसा मनोवैज्ञानिक था जिसने व्यवहार की साहचर्यवादी व्याख्या को कट्टरता से निभाया। गुथरी ने Watson के शुद्ध यांत्रिक दृष्टिकोण को कायम रखा इनका कहना था कि कोई व्यक्ति किसी परिस्थिति में अपनी पेशियों को एक विशेष क्रम में संकुचित करने के अतिरिक्त

और कुछ नहीं किया कर सकता। गुथरी के सिद्धान्तो की मूल अवधारणा यह है कि जब कोई भी उद्दीपन किसी अनुक्रिया के सनसर्ग में आता है तो वह उस अनुक्रिया से अधिक से अधिक सम्बद्ध हो जाता है।

गुथरी का मुख्य उद्देश्य तार्किक विश्लेषण द्वारा यह प्रमाणित करना था कि केवल सहचार्य द्वारा हर प्रकार के सीखने की उपर्युक्त व्याख्या की जा सकती है। गुथरी ने अपने प्रयोगिक प्रमाणो के आधार पर बिना किसी प्रकार के पुरस्कार, सन्तोष अथवा प्रोत्साहन के भी साहचार्य के दृढ होने की बात सिद्ध की।

इस प्रकार नवीन व्यवहारवादी ने जहाँ जहाँ व्यवहारवाद के क्षेत्र को अधिक विकसित किया वहां सीखने के सम्बन्ध में नवीन एवं मौलिक सिद्धान्तो का प्रतिपादन किया। जिनका आधुनिक मनोविज्ञान में बहुत महत्व है। नवीन व्यवहारवादियो में Skinner, Tollman, Hull, Guthrie आदि प्रमुख हैं।